Today's Poem – 17.06.2014

बाबा कहते हैं तुम साहेबज़ादे से शहज़ादे बनने वाले हो

सुखधाम जाने वाले हो

ना किसी चीज़ की इच्छा रखना

ना किसी से कुछ मांगना

किसी को कभी न तो नाराज़ करना, न नाराज़ होना

अपनी होशियारी का या सेवा करने का अहंकार नहीं दिखाना

जैसे बाप बच्चों का रिगार्ड रखते हैं ऐसे स्वयं का रिगार्ड स्वयं ही रखना

योगबल से अपनी सब इच्छायें समाप्त करना

सदा ख़ुशी वा नशे में रहना

रग-रग में जो भूत भरे हुए हैं, उन्हें निकाल देना

कोई भी उत्सव मनाना

अर्थात् याद और सेवा के उत्साह में रहना

सदा चियरफुल और केयरफुल मूड में रहना

बापदादा के साथ कम्बाइन्ड रहना

मेरा बाबा !

ॐ शान्ति !!!